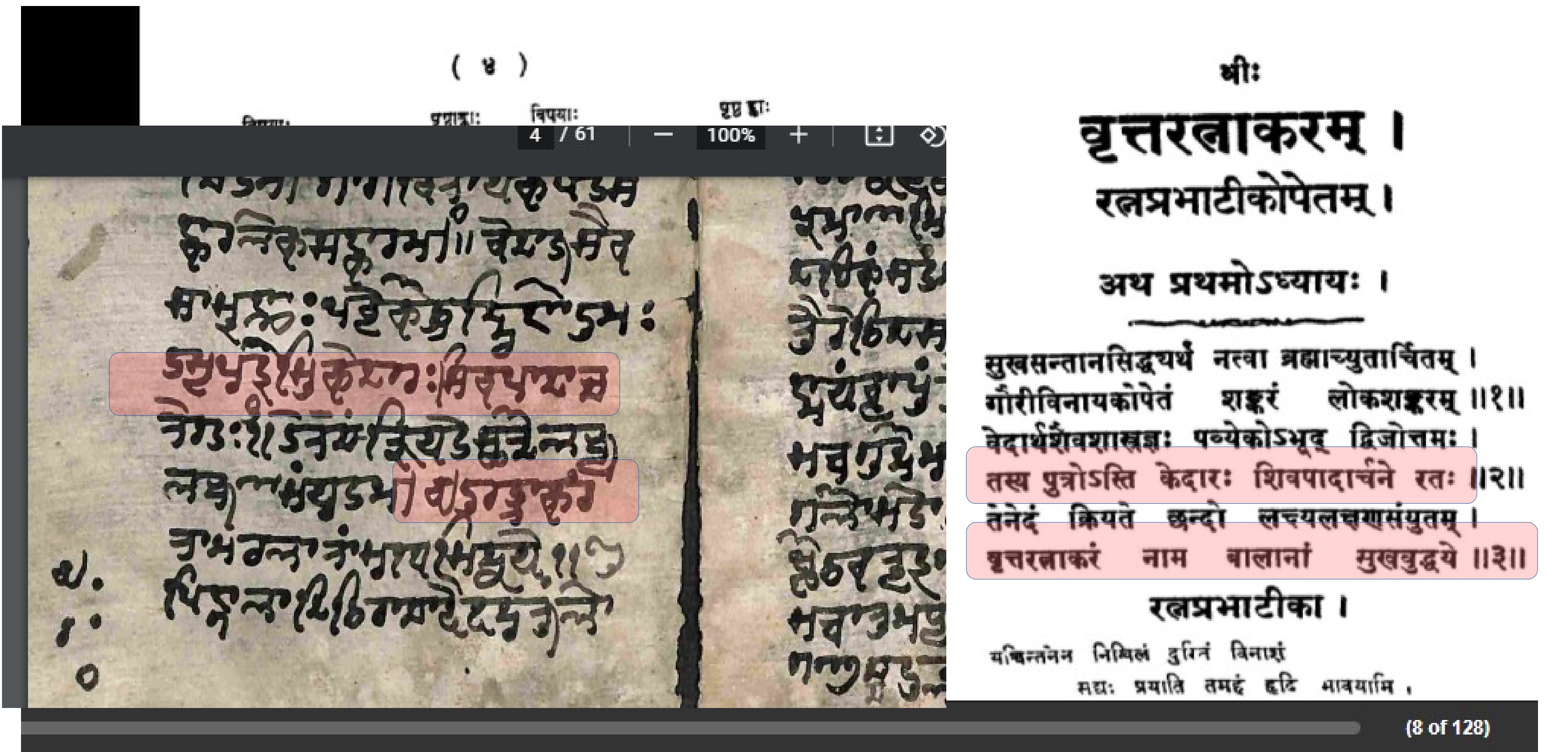
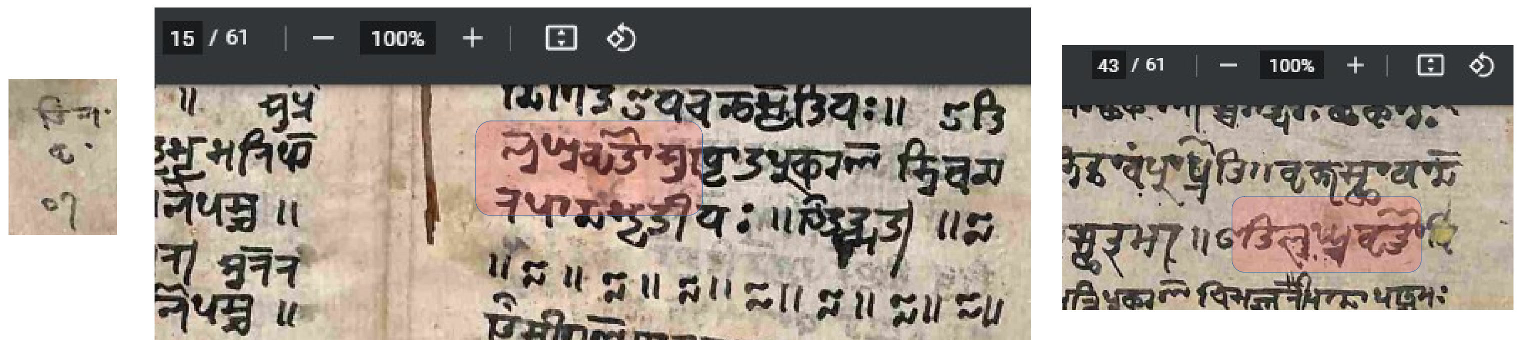
16.pdf includes

Page 1-10 : Vritta Ratnakara



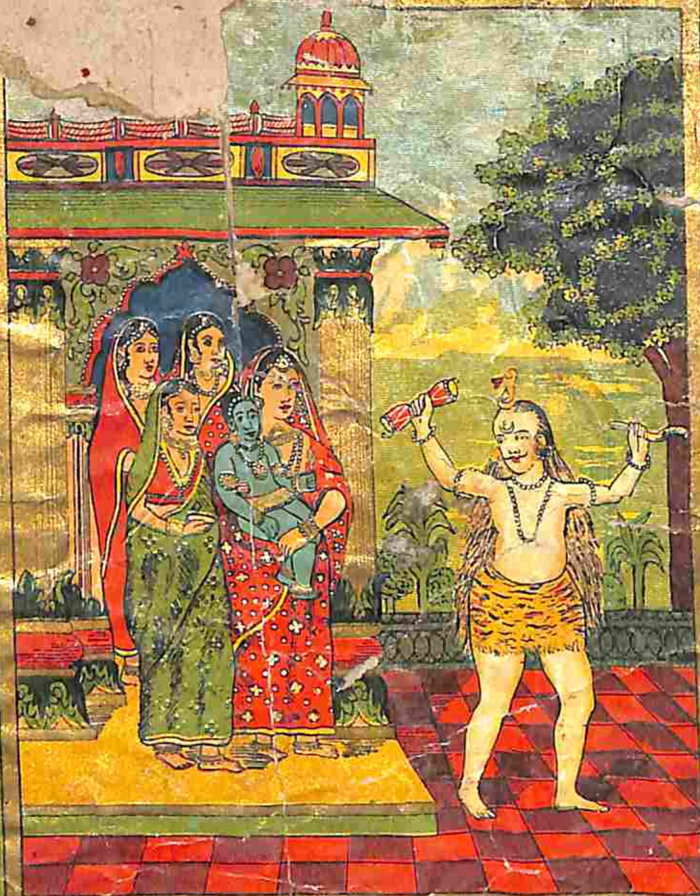
Vritta Ratnakara Kedara Bhatta Skt Hindi 1942

Page 11-52 : Laghu Vritti



ALD

KURRACHEE.



DELHI.

BOMBAY.

YDS.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਕੜੂਲਾਨਿਕ ਕਞੂਲਾਨਿ॥ ਖਞੂ
ਲਾਨਿਕ ਖਞੂਗਾਨਿ॥ ਤੜਿਤੰ
ਕ ਤੜਿਤੰ॥ ਵਿਸ੍ਫੁਲਿੰਕ ਵਿਸ੍ਫੁ
ਲਿੰਗਾ॥ਹਿ ਪਾਰਥੰਤਕਾਂ
ਲਾਸਵੇਨੇਖ੍ਯ॥ ਤਕਾਰ: ਪਙ
ਤ: ॥ਲਕਾਰ॥ ਸ੍ਵਰੋ॥ ਏਵ
ਨੁਸ੍ਯਾਗ॥ ਪਾਰਥੰਮਾਪਨੇ॥
ਇਲ. ਏਤਨ੍ਨਾਤਿ ਤੜਿਤੇਤਿ ਤਞੂਲਾ.
ਕ: ਯਤਿ ਤਞੂ ਯਤਿ ਤਞੂ ਯਤਿ॥
੦੦ ਰਖ੍ਯਖਮਤਮ॥ ਤਞੂਕਾਰ:॥
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

तद्धीकृत तद्धतरः॥ तद्धीनः
तद्धीकृत॥ तत्कारः॥॥ तम॥
तकारः परस्तुः स सकारपा
सकारभा परहेतौ॥ तद्वाक्यप
तद्धमानपा॥ ददनः समेधपरः
भाक्रिः॥ दन्नः परस्तुः
समेः पतः॥ भोपा॥ किक्र
ति॥ तत्वहृतभगल्लद पत्र
द॥ वैतकक्षसकारभाभ
रपुवभा नकारः परस्तुः॥

धू तगर धमपधलैहौ हृतैन ॥

धमसवृन्हं धौ विभक्तीय: तै

नवति हल्लैको पधलरति म०म०तु

पधलकाति ॥मलणाति ॥ तैनवि-

लनैय लैधू धव: मद्वि: ॥ विभक्त

नैवघ्र लैधलद्ति ॥ धत्रमद्विकाणं

नकवति ॥ कधुनमङन सैवञ्ज ॥

ठिङमा ॥गिरौलैषं धवमञ्जधौवैः

जः ॥ नफघ्र गठधौ लैधैनवति

धवघ्र भाधृम मीजधं धनूत ॥

नीयः गत्रधोधो॥ लैथि लगुडि॥
वुंर्का पहुडु॥ नव विकलै॥
कथुदव कयाद भडदकभथिद
मदुर्वपविवादहूधथिं॥ वुर्लिद भव
भेवधे॥ पुकहुमेरहें॥ धः
विभजनीयः मवभेर लैथमा वहुम
पहुडु॥ भवभिदुयोधो॥ दवायुः
व दवावाडुः॥ कैडदवाकैपिड
दमा॥ पिधवडिलैपमा काकर्णि
महुहें॥ धः विभजनीय॥ लैथं
पुधडि॥ पिधवडि फ॥ देवप

[illegible]पत्रुपभा विभक्तीयः पत्रुः ॥
मेवं षेवं भेवं थे ॥ पत्रुपभं पहुते
नवं विकल्पे न ॥ कम्मुतेवं कः मेते
कथुधुरं कः धधुः ॥ कथं पुवं
कः भत्रु ॥ [illegible]भकर्यै द्वेहे ॥
द्वयैः पुकर्वैः भहे ॥ यैकिभ
नीयः भउंद्गु धृपुति ॥ कैजः भैर ॥
तैयुषैधवतैद्गु ॥ नकर्षैधवतेः
भहे ॥ यै विभक्तीयः भउंद्गु
पुति ॥ कैगतः यैणवति ॥ वृति
नैपृ दृषे पंव ॥ नकनदृौ विभ

[illegible]॥ [illegible]

[illegible]॥ [illegible]

[illegible]॥ श्रीगणेशायनमः

विभक्तीय [illegible] विभक्तीय:

[illegible]॥ [illegible]

[illegible]॥ [illegible]॥ ॥

[illegible] विभक्तीय:॥ [illegible]

[illegible]॥ [illegible]॥

[illegible]॥ [illegible]

विभक्तीय: [illegible]॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ [illegible] ॥
ॐ अस्य [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਤ੍ਰਸਮ੍ਰਤੁ ॥ ਲਿਕ੍ਰਤਮ੍ਰਨਕਮਸ੍ਰਮਸੁ
ਤ੍ਰਧਮ੍ਰੰਲੀ ਨਠਵਤਿ ॥ ਦੇਮਲਾਨਾ
ਤੇਧਯੋਰਾਤ੍ਰਲੋਪਨਖ੍ਰਵਤਾ ॥ ਨਲੋਪ:
ਸੰਯੋਗਾਤ੍ਰਲੋਪ: ਸਮਲਪਵਸ੍ਰਵਤਿ ॥
ਸੰਯੋਗਾਤ੍ਰਨਲੋਪਨ੍ਰਤੇਅਤਿਯਤ੍ਰਕਵੰਖ੍ਰਤੁੰ
ਤ੍ਰਤ੍ਰਕਵਤਿ ॥ ਸਲਾਹ੍ਰਆਨਲਸ ॥ ॥
ਸਮਸੋਧਾਯੋਮਸਤਿਰ: ॥ ਓਮਆਦਤੁ
ਤਯਿ: ਤਵਾਦੇਧਾਸਕ੍ਰਮ੍ਰਸਤ੍ਰਮ੍ਰਵੰਠਵਤਿ
ਯੋਧਵਤਿਧਾ ॥ ਅਦਿਹ੍ਰਆਧਤ ਹ੍ਰਆਦਿ
ਹ੍ਰਆ ॥ ਦਲੰ ਤ੍ਰਤੀਯ: ॥ ਦਲੰ ਤ੍ਰਤੀਯੋ
ਵਤਿ ॥ ਮਜਾਹ੍ਰਆਹ੍ਰਨਕ੍ਰਕ੍ਰਆ ॥
ਤ੍ਰਯੀਘਖ੍ਰਵਮ: ॥ ਦਲੰਖ੍ਰਵਮੋਠਵਤਿ ॥
ਯੋਖ੍ਰਧਰੋਸਤ੍ਰਿਸਤ੍ਰਵੀਕਦ੍ਰ ॥ ਸਧੋ
ਤ੍ਰਤਿ ਕਿਆਵੀਕਯੋ ॥ ਧਵਿਤ੍ਰਕਸ ॥
ਇਸਵੋਵਤ੍ਰਆਨਾਂਦਲੰਖ੍ਰਵਮੋਠਵਤਿ
ਦਲੰ ਤ੍ਰਤੀਯੇਨਵਤ੍ਰਤਧਸੋਸੋਠਵਤਿ
ਵਕਾਦਸਾ ਸਤ੍ਰਿਅਤਾ ਸਤ੍ਰਿਅਸ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

यवम्टूयण्टूयस्मामितेन

मः १६ नमः अंहृउकलय

कलयभगालह्रिषे गङ्गे

उकलपयकलपयभवि

घते १७ लिभृतलिभृते

कविभृतपुठविभृत घृम्

ञवृम्ञहैनभुउयस्मामि

नेनमः १८ ऊलसैलमलं

प्रऌमवऌगिविकल्लिकम

नमेणिडिख्रिनतुवनंकमन

विक्षुरमृ ०७ निमितमतु

वेश्रुपियःअपक्कणनठये

ध्वतुउमृतुमझेनमःपक्का

नठवे ३० नमःअमवनेद

३ मु॰न॰ यअमवनुउमलये ञेउ

०२ ठयनमक्कुउख्रउठयनमेनमः ३०

